Press Coverage of COL-CEMCA & Uttarakhan Open University's (UOU) Workshop on Graduate Employability, 5 February 2026

Dainik Jagran

हल्द्वानी, 5 फरवरी, 2026 दैनिक जागरण 7

आत्मनिर्भरता के लिए छात्रों को रोजगार परक कोर्स का विकल्प दें : डा. शद्रक

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : यूओयू में कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फार एशिया के सहयोग से हुई तीन दिवसीय कार्यशाला में रोजगारपरक कोर्सों पर चर्चा हुई।

स्नातक रोजगार कौशल एवं परिणाम- आधारित प्रबंधन (आरबीएम) पर हुए कार्यक्रम में सिमका निदेशक डा. बी शद्रक ने कहा कि विवि में संचालित पाठ्यक्रमों के रोजगारपरक बनाने पर जोर दिया। इतिहास जैसे विषय को साफ्ट स्किल से जोड़कर रोचकता पूर्ण तरीके से व्यावसायिक बना सकते हैं। डा. शद्रक ने कहा कि यूओयू के कई शिक्षक रोजगार परक पाठ्यक्रम निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। जबकि, देशभर के कई विश्वविद्यालयों में संचालित बहुत से कोर्स आज भी सिर्फ डिग्री प्राप्त करने तक ही सीमित हैं। ऐसे में यूओयू सहित अन्य संस्थान विद्यार्थियों को अधिक से अधिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के विकल्प देने चाहिए। यहां प्रो. डीएस फर्स्वाण, प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. पीडी पंत, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. जीतेंद्र पांडे, प्रो. एमएम जोशी, प्रो. गगन सिंह, प्रो. राकेश रयाल, प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्रो. आशुतोष भट्ट, प्रो. अरविंद भट्ट आदि रहे।

Amar Ujala

शिक्षा को स्वरोजगार से जोड़ने पर दिया जोर

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया की तीन दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न विद्या शाखाओं की नौ टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में उन्होंने अपने विषयों से संबंधित रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को प्रस्तुत किया।

बुधवार को स्नातक रोजगार कौशल एवं परिणाम आधारित प्रबंधन विषय पर विशेषज्ञों ने कहा कि शिक्षा को डिग्री तक सीमित नहीं रखना चाहिए बल्कि उसे स्वरोजगार और कौशल से जोड़ना चाहिए। समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय अब एक विशेष टीम का गठन करेगा जो हर महीने रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की समीक्षा और अवलोकन कर अपनी रिपोर्ट देगी।

उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ नैक की ग्रेडिंग सुधारने में सहायक होंगे। मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजेश पी खंबयात ने इन पाठ्यक्रमों में लर्निंग ऑब्जेक्टिव और कोर्स आउटकम को प्रभावी बनाने के सुझाव दिए।

ऑनलाइन जुड़े डॉ. बी. शद्रक ने कहा कि इतिहास विषय को सॉफ्ट स्किल से जोड़कर आकर्षक और कैरिअर आधारित बनाया जा सकता है। डॉ. गोपाल दत्त के संचालन में हुए कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र बांटे गए। वहां प्रो. डीएस फर्स्वाण, प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. पीडी पंत, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. जितेंद्र पांडे, प्रो. एमएम जोशी आदि मौजूद रहे। संवाद

Hindustan Times

यूओयूः रोजगारपरक पाठ्यक्रम पर जोर

हल्द्वानी, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया की ओर से आयोजित तीन दिनी कार्यशाला सम्पन्न हो गई है। इसमें प्रतिभागियों ने विभागवार रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के प्रेजेंटेशन दिए।

प्रो. राजेश पी खम्बायत ने प्रत्येक प्रस्तुति पर सुझाव देते हुए लर्निंग ऑब्जेक्टिव्स और कोर्स आउटकम पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। नई

उत्तराखंड मुक्त विवि में तीन दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

दिल्ली के निदेशक डॉ. बी शद्रक ने कहा कि इतिहास जैसे पारंपरिक विषयों को भी सॉफ्ट स्किल्स से जोड़कर रोजगारपरक बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकतर विवि के पाठ्यक्रम अभी भी केवल उपाधि तक सीमित हैं। मुक्त विवि में बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं, इसलिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने वाले पाठ्यक्रम अनिवार्य हैं। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने घोषणा की कि विवि स्तर पर एक समर्पित टीम गठित की जाएगी। जो रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का नियमित पुनरावलोकन करेगी और प्रत्येक माह रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. पीडी पंत, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. जीतेंद्र पांडे, प्रो. एमएम जोशी, प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण, प्रो. गगन सिंह, प्रो. राकेश रयाल, प्रो. मंजरी अग्रवाल आदि मौजूद रहे।